BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

भारतीय जैन संघटना

समाचार

अक्टूबर 2015
अंक 10

श्री शांतीलाल मुथ्था
संस्थापक

Rs-10/- Life Subscription

सामाजिक दूषणों रूपी विकारो के दहन का पर्व

विजयादशमी

2 राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से
इनसे मिलियेश्री मनोज जैन, आगरा

3 विजयादशमी पर सारगर्भित लेख

4 रिपोर्ट
1 राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति सभा – चंदीगढ़
2 BJS नेटवर्क का विस्तार
3 प्लास्टिक सर्जरी शिविरों का आयोजन

5 i-BuD व्यवसाय विकास का दीपप्रज्जवलन

6 (1) बीजेएस मेट्रीमोनिअल पोर्टल
(2) अल्पसंख्यक सूचनाएं, जानकारी एवं समाचार

7 अल्पसंख्यक सूचनाएं, जानकारी एवं समाचार

8 प्लास्टिक सर्जरी शिविर

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से ....

प्रिय आत्मजन्,

अक्टूबर माह में जीवंतता प्रदान करते श्रृंखलाबद्ध पर्वों एवं त्यौहारों को मनाने का हम सभी को सौभाग्य प्राप्त हुआ. पर्वों एवं त्यौहारों के महत्व से हम सभी परिचित हैं. पर्व जहाँ हमारी प्रसन्नता में वृद्धि कर हमे नवजीवन प्रदान करते हैं वहीं हमारे कर्तव्यों का बोध करा, आदर्श जीवन व सशक्त समाज के निर्माण में हमारी भूमिका निर्वहन हेतु स्मरण कराते हैं.

2 अक्टूबर , राष्ट्रपिता का जन्मदिवस 'गांधी जयंती' हम सभी के लिए महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व है. सम्पूर्ण विश्व को अहिंसा का संदेश देने हेतु इसे 'अहिंसा दिवस' के रूप में मनाया जाना असहिष्णुता की प्रबलताओं से ग्रसित हिंसा के मार्ग पर अग्रसर हो रहे सम्पूर्ण विश्व हेतु प्रासंगिक है. भगवान महावीर द्वारा प्रतिपादित अहिंसा के सूक्ष्म स्वरूप को राष्ट्रपिता ने मात्र समझा ही नहीं अपितु आत्मसात भी किया, फलस्वरूप समस्त विश्व उन्हें अहिंसा के दूत के रूप में देखता है.

इस माह की 4 तारीख को मध्यप्रदेश के नगर खरगोन में 'निर्भया कैसे बने निर्भय' विषय पर व्याख्यान देने हेतु श्री प्रकाश स्मृति सेवा संस्थान ने मुझे आमंत्रित किया. इस छोटे से नगर के नागरिकों व संस्थाओं की सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति सजगता व संवेदनशीलता प्रशंसनीय व अनुकरणीय है. नारी शक्ति की प्रतिमूर्ति माँ दुर्गा की आराधना के पर्व 'नवरात्रि' से हमे यह स्मरण होता है कि 'नारी ही नारायणी' है, जिसकी संतुलित सृष्टि की रचना में महत्वपूर्ण भूमिका है. अव्यस्थाओं रूपी असुरों के संहार हेतु देश की प्रत्येक निर्भया को निर्भय बनाने के लिए भारतीय जैन संघटना की पहल 'युवती सक्षमीकरण' को वृहदता प्रदान करना ही माँ दुर्गा की सच्ची आराधना है.

मित्रों ! विजयादशमी की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं अभिनंदन. शौर्यता एवं वीरता का यह पर्व हम सब के लिए महत्वपूर्ण है. बुराई पर अच्छाईयों, अत्याचार पर सदाचार, असत्य पर सत्य, हिंसा पर अहिंसा तथा पाप पर पुण्य की जीत का द्योतक यह पर्व, स्वयं में आध्यात्मिकता समेटे, हमें हमारे ही द्वारा पोषित विकारों को दहन करने हेतु प्रेरित करता है. विकारों के प्रतिनिधि दशानन् के दस मुखों के दहन की परंपरा ही विजयादशमी के महत्व एवं अर्थ को सार्थकता प्रदान करती है व सहिष्णु समाज के निर्माण हेतु पथ भी प्रदर्शित करती है.

आदर्श जीवन पद्धत्ति से सहिष्णु एवं संतुलित समाज की स्थापना, सृष्टि के अस्तित्व हेतु आवश्यक है, यह सारगर्भित प्रेरणा हमें इस माह में उत्सवित पर्वों से प्राप्त होती है. भारतीय जैन संघटना का लक्ष्य व्यक्ति व परिवारों की खुशहाली एवं प्रसन्नताओं में वृद्धि करना है जो हमारी सभी योजनाओं एवं कार्यक्रमों में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती हैं. सामाजिक दूषणों के रूप में घर कर गयी बुराईयों से समाज को मुक्त कराना ही हमारा लक्ष्य है. हमें यह सदैव स्मरण में रखना चाहिए कि समाज की हमसे कुछ अपेक्षाएं हैं अत: आईये हम अहिंसा का पर्व गांधी जयंती, नारी शक्ति के प्रतीक का पर्व नवरात्रि व विकारों के दहन का पर्व 'विजयादशमी' से प्रेरित होकर अच्छाईयों एवं आदर्शों के नववृक्ष को स्वयं में पल्लवित करने हेतु संकल्पित हों.

प्रफुल्ल पारख,
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जैन संघटना

BJS भारतीय जैन संघटना समाचार

संपादक मण्डल

संपादक
प्रफुल्ल पारख, पुणे

कार्यकारी संपादक
निरंजन कुमार जुवाँ जैन, अहमदाबाद

सदस्य
कैलाशमल दुगड़, चैन्नई
सुरेश कोठारी, अहमदाबाद
सुदर्शन जैन, बडनेरा
वीरेंद्र जैन, इंदौर
महेश कोठारी, गोंदिया
संजय सिंगी, रायपुर
राजेंद्र लुंकड़, इरोड

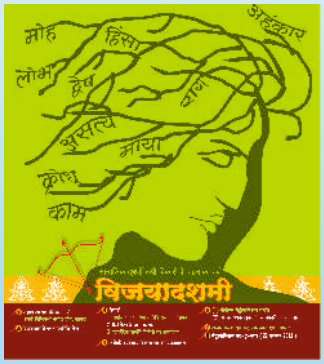

इनसे मिलिये श्री मनोज जैन, आगरा (उत्तर प्रदेश)

देश के सर्वाधिक बड़े राज्य उत्तरप्रदेश मे भारतीय जैन संघटना के राजाध्यक्ष श्री मनोज जैन का जन्म आगरा के प्रतिष्ठित व्यवसायी परिवार में 26 अक्टूबर , 1962 को हुआ. आपने स्नातकोत्तर डिग्री बिझनेस एडमिनिस्ट्रेशन में प्राप्त की. विद्यार्थीकाल से ही आपको अभिनय व संवाद कौशल्य में अभिरूचि रही. आपने अनेक नाट्य में अभिनय ही नहीं किया अपितु उन्हें निर्देशित भी किया व विश्वविद्यालय के इंटर कॉलेज नाट्य स्पर्धा में आपको सर्वश्रेष्ठ अभिनेता एवं निर्देशक होने का गौरव प्राप्त हुआ. आपका परिवार वर्षों से आगरा में धर्मशाला का संचालन कर समाज की सेवा कर रहा है. आपका भारतीय रेल के साथ नयी पटरियाँ बिछाने का व्यवसाय है. आपकी पेढ़ी महावीर इंजीनिअर्स ने हाल ही में प्रतिष्ठित उद्योगृह टाटा एवं स्वीडन की कंपनी आलेदेसा के साथ मिलकर देश के पूर्वी क्षेत्र में नई रेल्वे लाईने डालने का कार्य प्रारम्भ किया है.

व्यावसायिक व्यस्तताओं के बावजूद भी आप समाज हेतु पर्याप्त समय देते हैं. धार्मिकताओं से ओतप्रोत श्री मनोज जैन अनेक पंचकल्याणों के संयोजक रह चुके हैं. आगरा शहर में महावीर जयंती उत्सव पर प्रतिवर्ष आपकी रचनात्मक भूमिका रहती है. आप **M. D. Jain Inter College** की प्रबंध समिति, आगरा जैन परिषद, उत्तर प्रदेश दिगंबर जैन महासमिति के सदस्य हैं. आचार्य ज्ञानसागरजी महाराज के निर्देशन में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले **Jain Talent Felicitation** कार्यक्रम से आप पिछले 14 वर्षों से जुड़े हुए हैं.

आप कुशल वक्ता व प्रतिष्ठित उद्घोषक हैं. आपके द्वारा विभिन्न प्रख्यात महानुभवों से किए साक्षात्कारों का जिनवाणी चैनल पर नियमित रूप से प्रसारण होता है. आपके द्वारा भारतीय जैन संघटना के संस्थापक श्री शांतिलालजी मुथ्था से किया गया साक्षात्कार जिनवाणी चैनल पर जीवन जीवंत प्रसारित हुआ था. आपके नेतृत्व में भारतीय जैन संघटना उत्तरप्रदेश में 50 शाखाएँ प्रारम्भ हुई हैं जो जैन समाज में सामाजिक क्रांति का शंखनाद है.

आदर्श स्थितियों की प्राप्ति हेतु सचेतन होने का पर्व 'विजयादशमी'

मानव स्वयं राम भी है ओर रावण भी. हमारी नकारात्मकता एवं समाकरात्मकता ही हमें राम से रावण ओर रावण से राम बनाती है. किन्तु यह भी वास्तविकता है कि प्रत्येक मनुष्य स्वयं को राम ही समझता है, फलस्वरूप ही समाज में असंतुलन की स्थितियों का निर्माण होता है. आवश्यकता है कि आत्मनिरीक्षण से वस्तुस्थिति निर्धारण करें ताकि हम सभी में राम का स्थाई वास हो सके.

वास्तव में, हम सभी के भीतर, निकृष्टता एवं उत्कृष्टतारूपी वैचारिक बीज होता है. हम सभी स्वयं में निहित उत्कृष्टता की शक्ति को समझें व उसका स्वयं हेतु तथा परिवार, समाज, राष्ट्र व विश्व के निर्माण में प्रयोग करें. हम सभी परिस्थितिजन्य अवस्थाओं में अच्छे या बुरे विचारों या कर्मों हेतु प्रेरित होते हैं, यही अविरत कशम्कश है जिस पर मनुष्य को विजय पाना है.

हमारी अच्छे व बुरे विचारों की धारणा हमारे संस्कारों व नैतिकता से पल्लवित होती रहती है, किन्तु दशहरा पर्व के महत्व को समझते हुए नकारात्मक विकारों रूपी असुरों के दहन हेतु हमें संकल्पित होना चाहिए. योग्य व सकारात्मक विचारों से ही हमारी आत्मा को प्रकाशित करने का संकल्प लेने का पर्व ही 'विजयादशमी' है. हमें प्रथम स्वयं सकारात्मक वैचारिकता हेतु सुसज्ज होना है तथापि अन्य को इस हेतु प्रेरित करना ही हमारा उद्देश्य होना चाहिए.

यह मानव प्रकृति है कि हम नकारात्मकता की ओर अधिक आकर्षित होते हैं किन्तु हमारे विश्वास एवं मान्यताओं में सकारात्मक दृष्टिकोण से ही विचारों में गहराई हुई नकारात्मकता को जड़मूल से मिटा सकते हैं. समस्त विश्व में सहिष्णुता व खुशहाली के माहौल के निर्माण में प्रत्येक मानव को राम बनने की आवश्यकता है.

मानव को यह प्रकृति का वरदान है कि वह उसके मस्तिष्क का स्वयं मालिक है जो स्वप्रेरित निर्देशों का पालन करता है. आवश्यकता मात्र यह है कि हम आत्मा के क्रमिक विकास को उत्तेजना प्रदान कर आदर्श जीवन पद्धति की ओर अग्रसर हों. नि:संदेह विषयात्मक वास्तविकताएं हमारी आदर्शिता को अंशत: प्रभावित करती हैं, किन्तु हमारी वैचारिक शक्ति ही हमें निकृष्ट परिस्थितियों से निकालकर परिशुद्ध आत्मीय स्वरूप की प्राप्ति हेतु अवकाश प्रदान करती है.

अच्छे नागरिक व आदर्श इंसान की भूमिका का निर्वहन तथा सामाजिक उत्तरदायित्वों की फलश्रुति में, हमारी आत्मा को प्रकाशित करते हुए नीतिपरायणता के पथ को चुनना ही श्रेयकर है. निश्चित ही कुछ अच्छे व सकारात्मक विचारों से ही विश्व को आदर्श स्वरूप प्रदान किया जा सकता है.

सामाजिक समस्याओं रूपी असुरों के संहार मे भारतीय जैन संघटना की भूमिका

पौराणिक काल से ही असुरों का अस्तित्व व उनकी शक्ति मानव जाति हेतु भय का कारण रही है. काल परिवर्तन के साथ, असुरों के मुखोटों व स्वरूप में परिवर्तन होते रहे हैं. वर्तमान में हमने तकनीकी व परिवर्तनशील युग में प्रवेश किया है किन्तु सामाजिक दूषणों से अब भी मुक्त नहीं हो सके हैं. भ्रष्टाचार, असुरक्षा, असहिष्णुता, असमानता व हिंसारूपी असुरों के शिकंजो में हम अब भी जकड़ें पड़े हैं, परिणामस्वरूप परिवार एवं समाज विघटन के कगार पर हैं.

समाज सुधारकों एवं संस्थाओं द्वारा इन सामाजिक दूषणों की बेड़ियों से मुक्ति दिलाने व उन्मुक्त प्रगतिशील समाज के रचना हेतु समय-समय पर विभिन्न तरीकों से प्रयास किये जाते रहे हैं किन्तु देश की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, जातिगत आदि विविधताओं व भौगोलिकजन्य परिस्थितियों में अपेक्षाकृत परिणाम प्राप्त नहीं हुए हैं. आधुनिक समाज की समस्याओं के समाधान व दूषणों रूपी असुरों के प्रतिकार में अनुसंधान आधारित, क्रियान्वयन योग्य देवातारूपी शस्त्रों का प्रयोग आज की आवश्यकता है.

भारतीय समाज में दहेज की प्रथा को नाबूद करने व वैवाहिक रिश्ते तय करने की गहराती समस्या के समाधान में, भारतीय जैन संघटना सामूहिक विवाह व परिचय सम्मेलनों की अवधारणा पर गत अनेक वर्षो से कार्यरत है व अब संतोषजनक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं. एक ओर जहाँ भारतीय जैन संघटना समाज के उत्थान एवं विकास हेतु कार्यरत है वहीं दूसरी ओर प्राकृतिक विपदाओं से जूझते मानवों की आवश्यकताओं व उनके जीवन को बेहतर बनाने के साथ उनकी शिक्षणरत संतानों की आवश्यकताओं की पूर्ति कर उनके समानुभूतिपूर्ण जीवनयापन हेतु मार्ग प्रशस्त कर रहा है.

युवती व युगल सक्षमीकरण, व्यवसाय विकास, बदलते परिवेश में वैवाहिक रिश्ते तय करने की नवअवधारणा, कैरिअर मार्गदर्शन आदि कार्यक्रमों से परिवार के प्रत्येक सदस्य की आवश्यकताओं की पूर्ति करने तथा समस्याओं के समाधान में खुशहाली प्रदान करने के साथ व्यक्तिगत, शैक्षणिक मुद्दों पर लक्ष्य कर भारतीय जैन संघटना समाज के सभी स्तरों पर रचनात्मक रूप से प्रयासरत है. आवश्यकता है कि समाजजन् उनके हितार्थ कार्यक्रमों को समझे, समाज के प्रत्येक स्तर तक प्रचार-प्रसार करे व दूषणों से प्रतिकार करते इन कार्यक्रमों को अपनाएं. भारतीय जैन संघटना की वैचारिकी, अनुसंधान आधारित वैज्ञानिक पद्धतिबद्ध पहल व उसका राष्ट्रस्तरीय संघटनात्मक स्वरूप ही सामाजिक समस्याओं रूपी असुरों के संहार का शस्त्र है.

भारतीय जैन संघटना का दर्शन, सम-शिक्षण, सामाजिक सहिष्णुता, सुरक्षित वातावरण, भ्रातृत्वभाव व व्यावसायिक विकास के माध्यम से समाज का सम्पूर्ण व उत्कृष्ट विकास करना है. सभी से अपेक्षा कि इन प्रयासों को संबल प्रदान करे ताकि हमारे अंदर निवास कर रहे दैवत्व भाव का प्रयोग सही अर्थों में समाज कल्याण हेतु सुनिश्चित किया जा सके.

बी.जे.एस. कार्यक्रमों का विस्तार जन्–जन् तक
राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति सभा में लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय

भारतीय जैन संघटना राष्ट्रीय कार्यकार्यकारिणी समिति की सभा दिनांक 9 व 10 अक्टूबर 2015 को चंदीगढ़ में सम्पन्न हुई. राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के वरिष्ठ सदस्यों, आमंत्रित विशेषज्ञों, अतिथियों सहित 50 व्यक्तियों ने भाग लिया. सभा के संयोजक श्री मोहिंदरपाल जैन एवं श्री राकेश जैन, लुधियाना ने अतिथियों का स्वागत किया. उल्लेखनीय है कि प्रत्येक 3 माह में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की सभा विभिन्न राज्यों में आयोजित की जाती है. इस वर्ष में अब तक ये सभाएं नागपुर, हैदराबाद एवं बैंगलोर में सम्पन्न हुई हैं.

चंदीगढ़ सभा में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख ने कहा कि संघटना के संस्थापक श्री शांतीलालजी मुथ्था की सामाजिक समस्याओं के समाधान में सोच एवं उनकी दूरदृष्टि को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हमारा दायित्व ही नहीं अपितु कर्तव्य भी है. समाज में व्याप्त गम्भीर समस्याओं एवं उनके समाधान हेतु आवश्यक कार्यक्रम निर्माण पर विस्तृत विचार–विमर्श किया गया. इस दौरान सभी राज्य अध्यक्षों को आगामी वर्ष 2016 मे उनके राज्य में अधिक से अधिक कार्यक्रम आयोजित करने संबंधी रूपरेखा पर विचार एवं योजना प्रारूप तैयार करने हेतु पहल की गई. आगामी कार्यक्रमों में युवाओं की समस्याओं के समाधान हेतु नए परिप्रेक्ष में कार्यों की शुरुआत करने की बात रखी गई. सेप–4, युगल व युवती सक्षमीकरण कार्यक्रमों की उपयोगिता केवल जैन समाज तक ही नही अपितु समस्त देशवासियों के लिए जरूरी है अतएव सदस्यों से इन कार्यक्रमों को जन्–जन् तक पहुंचाने का आवाहन किया गया. श्री पारख ने विस्तृत जानकारी देते हुए बतलाया कि संस्था के अनेक समाज उपयोगी कार्यक्रमों को मुख्य कार्यालय पुणे से टेक्नोलॉजीयुक्त किया जा रहा है.

भारतीय जैन संघटना के विस्तार के अंतर्गत सभा में सर्वसम्मति से 4 राज्यों – पंजाब, राजस्थान, हरियाणा एवं पश्चिम बंगाल के राज्य अध्यक्षों की घोषणा की गई. आगामी राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की सभा 8 व 9 जनवरी, 2016 को महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिल्हा स्थित प्रसिद्ध हिल स्टेशन पन्हाला में आयोजित करने का निर्णय लिया गया. ज्ञाताव्य रहे कि जिस राज्य में राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की सभा आयोजित की जाती है उसमें राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति सदस्यों, वरिष्ठ विशेषज्ञों एवं आमंत्रितों के साथ राज्य के सभी जिल्हा पदाधिकरियों को भी आमंत्रित किया जाता है ताकि उनके क्षेत्र की सामाजिक समस्याओं पर उनकी ही उपस्थिति में विस्तृत विचार–विमर्श एवं समाधान में कार्ययोजनाओं पर विचार किया जा सके.

भारतीय जैन संघटना का 4 नए राज्यों में विस्तार

पिछले ३ दशकों से सामाजिक समस्याओं के अनुसंधानयुक्त उपाय प्रस्तुत करने वाली सामाजिक संस्था भारतीय जैन संघटना का विस्तार 4 नए राज्यों में हाल ही में हुआ है. यह राज्य हैं – पंजाब, हरियाणा, राजस्थान एवं पश्चिम बंगाल. दिनांक 9 व 10 अक्टूबर,2015 को चंदीगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति सभा मे लुधियाना के श्री राकेश जैन को पंजाब, पानीपत के श्री संदीप जैन को हरियाणा, जयपुर के श्री सम्प्रति सिंघवी को राजस्थान एवं कोलकत्ता के श्री देवेन्द्र जैन को पश्चिम बंगाल का सर्वसम्मति से राज्य अध्यक्ष मनोनित किया गया.

भारतीय जैन संघटना के कार्यों एवं गतिविधियों को विभिन्न तबकों में सराहा जा रहा है तथा घर–घर में इनकी जरूरत महसूस की जा रही है. भारतीय जैन संघटना परिवारों मे शैक्षणिक जागृति, वैवाहिक समस्याओं के निवारण, व्यापार के विकास की योजनाएं, युवतियों के सक्षमीकरण, अल्पसंख्यक विषय के अधिकार व लाभ आदि अनेक विषयों पर ठोस कार्यक्रमों के माध्यम से समाज उत्थान व राष्ट्र निर्माण का कार्य कर रही है. इन सभी विषयों की सम्पूर्ण देश में मांग तेजी से बढ़ रही है और इन 4 राज्यों में संस्था का विस्तार इसी बात का प्रमाण है.

आज भारतीय जैन संघटना के माध्यम से सामाजिक समस्याओं के निवारण का कार्य महाराष्ट्र के अलावा छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, तमिलनाडू, कर्नाटक, आन्ध्रप्रदेश, उत्तरप्रदेश तथा गुजरात के लगभग हर जिले के सूचारू रूप से चल रहा है. 4 राज्यों का विस्तार इसी श्रृंखला की कड़ी है.

पंजाब

राकेश जैन,
लुधियाना

राजस्थान

सम्प्रति सिंघवी
जयपुर

हरियाणा

संजय जैन
पानीपत

पश्चिम बंगाल

देवेन्द्र जैन
कोलकत्ता

महाराष्ट्र के कई शहरों में नि:शुल्क प्लास्टिक सर्जरी शिविर का आयोजन
अमेरिकी चिकित्सक करेंगे – कटे फटे होंठ, चेहरे के दाग, पलकों, नाक– कान की बाह्य विकृति का ईलाज

अमेरिका के विश्व विख्यात भारतीय प्लास्टिक सर्जन पद्मश्री डॉ शरद कुमार दीक्षित तथा भारतीय जैन संघटना, पुणे द्वारा भारत में विगत 3 दशकों में नि:शुल्क प्लास्टिक सर्जरी शिविर के आयोजन प्रतिवर्ष किये गये.

इस वर्ष भी स्व. डॉ शरद कुमार दीक्षित की स्मृति में महाराष्ट्र के कई शहरों में नि:शुल्क प्लास्टिक सर्जरी शिविर का आयोजन किया जा रहा हैं, जिसमें अमेरिका के प्रख्यात चिकित्सकों द्वारा कटे फटे होंठ, चेहरे के दाग, पलकों, नाक– कान की बाह्य विकृति का ईलाज किया जायेगा. इस वर्ष महाराष्ट्र के नाशिक में 5 से 7 दिसम्बर, अहमदनगर में 8-9 दिसम्बर, बीड में 10-11 दिसम्बर, नांदेड में 10से 12 दिसम्बर, रिसोड में 12 दिसम्बर, औरंगाबाद में 13 से 18 दिसम्बर, कोल्हापुर में 22-23 दिसम्बर, पुणे में 7 से 10 जनवरी 2016, नागपुर में 11-12 जनवरी तथा हुबली में 14-15 जनवरी, 2016 को नि:शुल्क प्लास्टिक सर्जरी शिविर का आयोजन किया जायेगा.

पुणे में नि:शुल्क प्लास्टिक सर्जरी शिविर का 25 वाँ वर्ष

भारतीय जैन संघटना, पुणे संचेती हॉस्पिटल, पुणे एवं श्री चांदमल मुनोत ट्रस्ट, अहमदनगर के संयुक्त तत्वाधान में नि:शुल्क प्लास्टिक सर्जरी शिविर का आयोजन दिनांक 7 से 10 जनवरी, 2016 के दरम्यान संचेती हॉस्पिटल, शिवाजीनगर, पुणे में आयोजित किया गया है. यह हर्ष का विषय है कि नि:शुल्क प्लास्टिक सर्जरी शिविरायोजन का यह 25 वाँ वर्ष हैं. अब तक इन शिविरों में हजारों मरीजों का इलाज किया गया है. शिविर विषयक अधिक जानकारी हेतु भारतीय जैन संघटना, पुणे मुख्य कार्यालय में श्री. शशिकांत मुनोत- 9420477052 से सम्पर्क करें.

Igniting Business Development (i-BuD) - II व्यवसाय विकास का दीपप्रज्जवलन

विश्व अर्थव्यवस्था में जहां 19 वीं और 20 वीं शताब्दी औद्योगिक क्रांति की रही वहीं 21वीं शताब्दी से नालेज युग का उदय हुआ. आज के व्यावसायिक पटल पर महारथियों में औद्योगिक घराने अब नहीं रहे वरन् नालेज के मांधताओं ने स्थान लिया है जैसे माइक्रोसाफ्ट, टी.सी.एस., इन्फोसिस, पोलारिस, अलिबाबा, फेसबुक, व्हाट्स-अप, अमेझान, ओला, स्नेपडील, फ्लिपकार्ट आदि जिन्हें व्यापार के बदले हुए खेल की जानकारी है, और महारथ हासिल है, अतएव वे वैश्विक व्यवसाय पर राज कर रहे हैं. गौर तलब है कि ये अब व्यापार पूंजी आधारित नहीं अपितु आइडिया, नोलेज और तकनीकी आधारित हो गये हैं, उनकी वृद्धि का मापदण्ड पूंजी के आधार से व भौतिक संसाधनों से नहीं बल्कि इस बात से होता है कि लोगों की समस्याओं व आवश्यक्ताओं को वे कितने कारगर तरीकों से समझ पाते हैं. अब व्यापार सिर्फ लाभ के आधार पर ही नहीं बढ़ रहे अपित 'युजर्स बेस' व 'व्हॅल्यु ॲडीशन' के आधार पर प्रगति कर रहे हैं.

पारंपरिक व्यापार की दो प्रमुख समस्याएं हैं. प्रथम तो अब स्पर्धा वैश्विक हो गयी है व द्वितीय व्यवसाय पटल पर तेजी से हो रहे परिवर्तनों से वे अनभिज्ञ हैं. जब तक कि वे इन परिवर्तनों को समझ नहीं लेते, बदली स्थितियों में सफलताएं संदिग्ध ही रहेंगी. पारिवारिक व्यवसाय वर्तमान में कठिन दौर से गुजर रहे हैं व व्यापार में टिक कर सफलता व प्रगति कैसे करना, यह उनकी समझ से परे है.

Igniting Business Development (i-BuD), BJS का एक नवीन कार्यक्रम है, जिससे नई रूझान व नए अवसरों का पता चलता है. इसका उद्देश्य प्रतिभागियों के दिमाग की खिडकियाँ एवं दरवाजे खोल उन्हें बाहरी दुनिया से परिचित करना है ताकि वे आकाश की उंचाइयों को छूने का लक्ष्य बना सकें.

i-BuD के 7 दिवसीय भ्रमण में यह सब संभव हो सके इस हेतु 7 शहरों के भ्रमण मे प्रतिभागियों की ऐसे श्रेष्ठतम उद्यमियों से मुलाकात करवायी जाती है जिन्होंने शून्य से शिखर तक की सफल यात्रा पूर्ण की है. सफलताओं एवं असफलताओं के कारणों पर इनसे चर्चा विचारणा प्रतिभागियों द्वारा की जाती है. वे स्वयं के अनुभव साझा करते हुए प्रतिभागियों को उनकी सोच व सोच की प्रक्रियाओं की जानकारी देते हैं. व्यापार में चुनौतियों से निपटना महत्वपूर्ण है व इस हेतु रणनीति कैसे बनाई जाए, विषय पर प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त होता है.

साथ ही देश की विश्वस्तरीय बिझनेस स्कूल, उद्यमिता संस्थानों, फॅमिली बिझनेस सेंटर व मॅनेजमेंन्ट असोसियेशन का भ्रमण कर श्रेष्ठतम व्यक्तियों से व्यापार में आनेवाले बदलाव व नए अवसरों की सम्भावनाओ पर मार्गदर्शन प्राप्त किया जाता है. वरिष्ट फेकल्टीज् से सफलता के मंत्र प्राप्त किए जाते हैं. विश्व स्तरीय रिसर्च व नॉलेज का लाभ इन प्रतिभागियों को प्राप्त होता है.

i-BuD कार्यक्रम आपके और आपके व्यापार के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलता है, कार्यशैली में सुधार लाता है, जिससे बेहतर परिणाम प्राप्त होते हैं. आप अनुकुलताओं के साथ नए अवसरों को समझते हुए व्यवसाय में सफलताओं के शिखर पर पहुँच सकते है. इस कार्यक्रम के माध्यम से पूरे देश के युवा उद्यमियों के साथ आपका नेटवर्क स्थापित होता है, जिससे बेहतर भविष्य का निर्माण संभव है.

दिनांक 28 सितंबर से 3 अक्टूबर, 2015 तक आयोजित **i-BuD-II** कार्यक्रम के प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम की सराहना में कहा है कि ऐसा अनुभव कहीं ओर किसी भी कीमत पर मिलना असंभव है. युवा उद्यमी जो प्रगति करना चाहते हैं उनके लिए यह कार्यक्रम एक अनूठा मंच है जो निश्चित ही उनके जीवन में टर्निंग पॉईंट साबित होगा.

Lalit Bokadia
i Bud II participant
Selam (T.N.)

To sum up the experience of the 6 day IBUD trip is like writing a big book in just a short note. In reality it's worth to write a book on it, because the experience and the exposure a person undergoes as a participant is humongous. Though each personality whom the IBud team met is in a league of its own, what caught the eye of all the participants was the fire to excel in each and every one of them. The clarity with which they approach and the level of self confidence of each personality was standing like a shield in front of them. Never give up, systematisations and delegation acted as their engine for phenomenal success. Self introspection and willingness to change acted as a booster to the turbo charged engine. And above all, the desire and the thought process of BJS to Organise such a kind of Program itself speaks for its desire for the change in society. No body could have even dreamt of a event like this and BJS has already done two of it. Hats off to the Whole BJS team would be a peanut for the effort that has gone through in organising a program like this. When I stand back in hindsight today and think, I wish that the program of this calibre should not be limited to just 6 days and I wish I could have a magic wand with which I could have revisited those wonderful 6 days of my life again and again. Thank you BJS.
Thanks a million.

www.bjsindia.org – भारतीय जैन संघटना की नवीन वेबसाईट का शुभारंभ

आधुनिक व तकनीकी युग मे संस्था की वेबसाईट दर्पण स्वरूप होती है जो उसके वास्तविक चित्र को प्रतिबिंबित करने के साथ सम्पूर्ण विवरण भी प्रस्तुत करती है. भारतीय जैन संघटना नवीन वेबसाईट का शुभारंभ गत माह हुआ है.

भारतीय जैन संघटना की स्थापना से लेकर अब तक की 30 वर्षों की लंबी यात्रा का विवरण, विभिन्न कार्ययोजनाओं, प्रकल्पों एवं कार्यक्रमों आदि की सम्पूर्ण जानकारी युवाओं, परिवारों, सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं, सरकारी कार्यालयों, प्राकृतिक आपदा पीड़ितों आदि के उपयोग व लाभ लेने हेतु इस नवीन वेबसाईट मे उपलब्ध है.

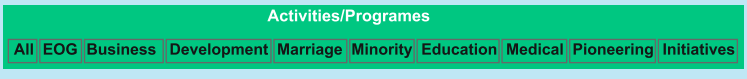

विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की तह तक जाकर संस्थाए एवं समाज इन कार्यक्रमों को स्वयं के नगर/शहर में आयोजित कर सकेंगे. योजनाओं एवं कार्यक्रमों के विवरण व आयोजन संबंधी साहित्य तथा दिशा निर्देशों को डाऊनलोड करने की सुविधा भी उपलब्ध है.

भारतीय जैन संघटना के इतिहास, राष्ट्र स्तरीय संघटनात्मक स्वरूप, पदाधिकारियों व **Board Of Trustees** तथा राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के सदस्यों का विवरण उपलब्ध है. अल्पसंख्यक विषय पर प्रकाशित पुस्तके **(Free Download)** हेतु व अन्य महत्वपूर्ण विवरण भी अध्ययन हेतु उपलब्ध कराया गया है.

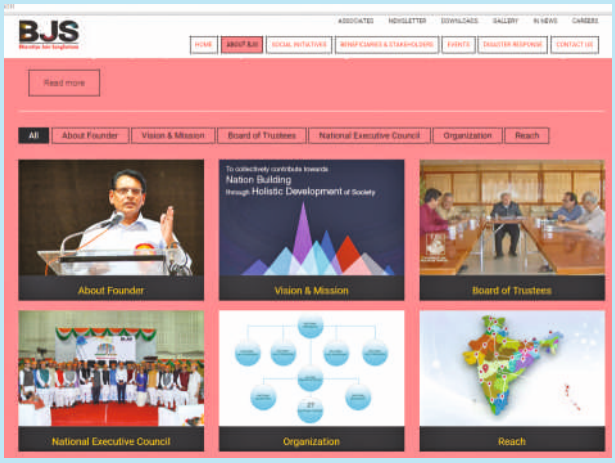

BJS Matrimonial Portal - http://bjsmm.bjsapps.com

वैवाहिक रिश्तें तय कराने की प्रक्रिया – नवीन रचनात्मक भूमिका हेतु सुसज्ज भारतीय जैन संघटना

भारतीय जैन संघटना का गत **25** से अधिक वर्षों से परिचय सम्मेंलनों का आयोजन एक स्थायी प्रकल्प है जिसका उद्देश्य वैवाहिक रिश्ते तय कराने में समाजजन् को मददरूप होना है.

बदलते समय के अनुरूप उन्नत तकनीकी का प्रयोग मानव जीवन को दैनिक स्तर पर प्रभावित कर रहे प्रत्येक क्षेत्र मे आवश्यक है. यह हर्ष का विषय है कि भारतीय जैन संघटना ने गत माह BJS Matrimonial Portal का शुभारंभ किया है जो अब समाजजन् के प्रयोग हेतु उपलब्ध है.

प्रत्याशियों का असीमित Data (विवरण) उपलब्ध

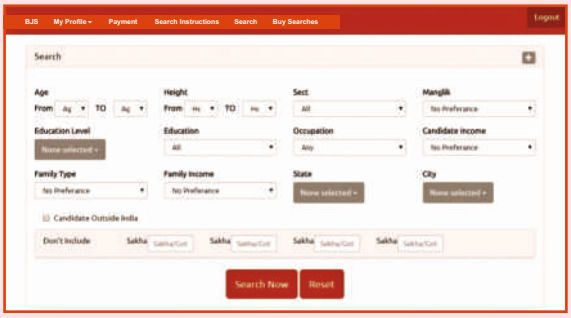

गत एक वर्ष में सम्पूर्ण देश मे भारतीय जैन संघटना द्वारा विभिन्न राज्यों, नगरों/शहरों मे आयोजित परिचय सम्मेलनों के **3000** पंजीकृत प्रत्याशियों का विवरण इसमे उपलब्ध है. पंजीकृत प्रत्याशियों के विवरण को खोजने (Search) का अधिकार मात्र पंजीकृत प्रत्याशियों का होगा. पंजीकृत प्रत्याशी बनने हेतु भारतीय जैन संघटना द्वारा आयोजित परिचय सम्मेलन मे भाग लेना आवश्यक है. भारतीय जैन संघटना द्वारा भविष्य में सम्पूर्ण देश में आयोजित किये जाने वाले परिचय सम्मेलनों के प्रत्याशियों के विवरण का जुड़ना व गत एक वर्ष की अवधि से पूर्व के प्रत्याशियों के विवरण का हटना स्वत: ही होता रहेगा जो इस पोर्टल की विशेषताओं में से एक है.

पंजीकृत प्रत्याशी को परिचय सम्मेलन मे भाग लेने के 48 घंटो मे एक कोड (code) Portal login करने पर प्राप्त होगा, जिसका प्रयोग अन्य प्रत्याशियों के विवरण खोजने व डाऊनलोड करने हेतु हो सकेगा.

20 प्रत्याशियों का नि:शुल्क Profile download उपलब्ध

पंजीकृत प्रत्याशी Matrimonial Portal पर Login कर प्राप्त code के प्रयोग से Search Box में जाकर अपनी पसंदगी के मापदंडो को Filter करें. उपलब्ध एक Code से **20** प्रत्याशी खोज कर उनके विवरण डाऊनलोड हो सकेंगे.

अतिरिक्त Profile खोज हेतु क्रय सुविधा

यदि **20** से अधिक प्रत्याशी खोजने की आवश्यकता हो तो अतिरिक्त अधिकतम **40** प्रत्याशी खोजने हेतु code क्रय (purchase) किया जा सकेगा जिसकी कीमत रु. **200** प्रति **20** प्रत्याशी है. इस हेतु प्रत्याशी को buy search मे जाकर यह सुविधा प्राप्त करनी होगी.

अल्पसंख्यक सूचनाएं, जानकारी एवं समाचार

तमिलनाडू राज्य सरकार की ऋण योजना

तमिलनाडू सरकार ने राज्य के अल्पसंख्यकों हेतु **Personal/SHG/ Education** आदि ऋण **Co-operative Banks** के माध्यम से देने की नवीन योजना घोषित की है. योजना का संचालन **TABCEDCO, 735 Anna Salai, 3rd Floor, Chennai** द्वारा होगा. अधिक जानकारी हेतु फोन नंबर **044-28520144** एवं **28520422** या **Email: tabcedco@gmail.com** पर सम्पर्क करें व **www.tn.gov.in** का भ्रमण करें. आवेदन पत्र प्रत्येक जिले के जिल्हाधीश कार्यालय, पिछड़ी जाति एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग से प्राप्त करें.

NCMEI के उपसचिव से BJS प्रतिनिधि की भेंट

भारतीय जैन संघटना के अल्पसंख्यक लाभ जनजाग्रति अभियान के राष्ट्रीय प्रभारी ने नई दिल्ली स्थित **National Commission for Minority Educational Institutions** के उपसचिव श्री संदीप जैन से **9** अक्टूबर,**2015** को उनके कार्यालय में शुभेच्छा मुलाकात की व भारतीय जैन संघटना द्वारा अल्पसंख्यक समुदायों हेतु किए जा रहे कार्यो व विशेषकर शैक्षणिक संस्थाओं हेतु संवैधानिक अधिकारों व प्रावधानों से अवगत कराने हेतु तैयार किए गए विशेष कार्यक्रम व उसके क्रियान्वयन करने की योजना की जानकारी दी.

कर्नाटक राज्य सरकार की अल्पसंख्यक विद्यार्थियो को अनुपम भेट

अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, कर्नाटक राज्य सरकार द्वारा शैक्षणिक वर्ष **2015-16** से पोस्ट मेट्रिक के सभी कोर्स जिनमें विद्यार्थी नियमित **(Regular)** रूप से अध्ययनरत है व जिन्हें सरकारी छात्रालयों में प्रवेश प्राप्त नहीं हुआ है, जिनकी पारिवारिक आय **2** लाख से कम है तथा राज्य के स्थाई निवासी है, अब रूपये **1500** प्रतिमाह की अर्थिक सहायता प्राप्त कर सकेंगें. विद्यार्थियों को सलाह है कि वे निर्धारित प्रार्थना पत्र में आवेदन जिला अधिकारी, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग को करें. विद्यार्थी को आवेदन उस जिले मे करना है जहाँ वह अध्ययनरत है.

सीखो ओर कमाओ

योजना के अंतर्गत इच्छुक **Project Implementing Agencies (NGOs)** से आवेदन आमंत्रित किये गये है जो **Skill Development Projects** पर गत कुछ वर्षो से कार्यरत हैं. अधिक जानकारी हेतु अल्पसंख्यक मंत्रालय, नई दिल्ली के हेल्पलाईन नंबर **1800-11-2001** पर सम्पर्क करे या **www.minorityaffairs.gov.in** पर भ्रमण कर सम्पूर्ण विगत प्राप्त करें एवं आवेदन पत्र डाऊनलोड करें. आवेदन पत्र **Under Secretary (R&ML) 11th Floor, Paryawaran Bhavan, CGO Complex, Lodhi Road, New Delhi** को **16** नवम्बर **2015** तक प्रेषित करें.

प्रधानमंत्री के 15 सूत्री कार्यक्रम के तहत् विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं की स्थिति

प्री–मेट्रीक स्कोलरशिप आवेदन की अंतिम तिथि **31** अक्टूबर को समाप्त हुई है. जिन विद्यार्थियों के आवेदन स्वीकृत हुए है, **10** से **20** नवेम्बर के मध्य छात्रवृत्ति भुगतान सीधा उनके बैंक खाते मे जमा होगा. आवेदन पत्र स्वीकृति की स्थिति विद्यार्थी राज्य सरकार के वेबपोर्टल से प्राप्त करें.

पोस्ट–मेट्रीक स्कोलरशिप आवेदन की अंतिम तिथी **31** अक्टूबर को समाप्त हुई है. मेरीट–कम–मीन्स स्कोलरशिप में नवीन आवेदन की अंतिम तिथि भी **30** अक्टूबर को समाप्त हुई है किन्तु नवीनीकरण **(Renewal)** की अंतिम तिथि **15** नवम्बर है. **Award List 7** दिसंबर **2015** के पश्चात राज्य सरकार के वेबपोर्टल से प्राप्त करें.

प्रधानमंत्री के 15 सूत्री कार्यक्रम के तहत् Skill Development की योजना जश्न –ए–उस्ताद का अल्पसंख्यक मंत्रालय द्वारा क्रियान्वयन

जश्न –ए–उस्ताद योजना में अल्पसंख्यक समुदाय के शिल्पकारों के विकास, बजार संयोजन तथा उत्पादों की बेहतर साख हेतु अल्पसंख्यक मंत्रालय द्वारा 5 अक्टूबर, 2015 को आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने पारंपरिक शिल्पकारी व उसकी अब तक उपेक्षित रही समृद्ध धरोहरों को संरक्षित करने हेतु मंत्रालय द्वारा किये जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की. कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ नजमा हेपतुल्ला ने की व अल्पसंख्यक राज्य मंत्री श्री मुख्तार अब्बास नकवी भी उपस्थित थे. इस अवसर पर दिल्ली में आयोजित शिल्प प्रदर्शनी में शिल्पकारों के उत्पादों को प्रदर्शित किया गया.

अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थाओं हेतु विशेष कार्यशाला आयोजन

जैन शिक्षण संस्थाओं के संचालक डरे नहीं, अपने अधिकारों को जाने – पी.ए. ईनामदार

25 अक्टूबर को महाराष्ट्र के सांगली मे लट्ठे एज्युकेशन सोसायटी, सांगली के आयोजन में अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थाओं को प्राप्त संवैधानिक अधिकारों व लाभ विषय पर भारतीय जैन संघटना द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया. जिसमें श्री पी. ए. ईनामदार, पुणे, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख, तथा श्री सुरेश पाटिल, सांगली उपस्थित रहे. श्री प्रफुल्ल पारख के साथ श्री सुदर्शन जैन व निरंजन जुवाँ जैन ने कार्यशाला में बतौर प्रशिक्षक लाभों व उन्हें प्राप्त करने के तरीकों आदि पर प्रशिक्षण प्रदान किया.

श्री ईनामदार ने कहा कि जैन अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थाओं को जानकारी का अभाव ही सबसे बड़ी समस्या है. आपने बतलाया कि अल्पसंख्यक समुदाय को अपनी रूचि की शैक्षणिक संस्थाएं खोलने व उनके स्वतंत्र प्रशासन का अधिकार है. अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थाओं के मूलभूत अधिकारों की विवेचना की गई तथा उन्हें भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं में लाखों रूपयों की आर्थिक सहायताओं के प्रावधान संबंधी जानकारी के साथ शैक्षणिक संस्थाओं के स्वतंत्र प्रशासन में विविध विशेषाधिकारों से अवगत कराया.

मराठवाड़ा, महाराष्ट्र के 51 जैन शैक्षणिक संस्थाओं के संचालकों एवं प्रधानाचार्यों ने इस कार्यशाला में भाग ही नही लिया अपितु शंका निवारण हेतु प्रश्नों की बौछार भी की जिनका समाधान श्री ईनामदार एवं उपस्थित प्रशिक्षकों ने किया. श्री ईनामदार ने घोषणा की कि जैन शिक्षण संस्थाओं द्वारा इस विषय में अनुभव की जा रही कठिनाईयों व शिकायतों के संम्बंध में भारतीय जैन संघटना के माध्यम से सलाह एवं सहायता प्रदान करने हेतु वे सदैव तत्पर रहेंगे.

अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानो के लिए भारतीय संविधान में उल्लेखित अधिकारों एवं प्रावधनों तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी देने तथा लाभ प्राप्त करने की प्रक्रियाओं से अवगत कराने हेतु भारतीय जैन संघटना 29 नवम्बर–औरंगाबाद, 13 दिसम्बर–नांदूरा (महाराष्ट्र) एवं 19 दिसम्बर–भीलवाड़ा (राजस्थान) को कार्यशालाओं का आयोजन कर रहा है व वर्ष 2016 में वृहद स्तरीय कार्यशालाओं के आयोजन की योजना है. जैन शैक्षणिक संस्थाओं से प्रार्थना है कि कार्यशाला आयोजन संबंधी जानकारी प्राप्त करने हेतु हमें सम्पर्क करें.

भारतीय जैन संघटना ने अल्पसंख्यक मंत्रालय को दिया प्रतिवेदन

9 अक्टूबर को भारतीय जैन संघटना के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य व अल्पसंख्यक लाभ जनजाग्रति अभियान के राष्ट्रीय प्रभारी श्री निरंजन जुवाँ जैन ने भारत सरकार के अल्पसंख्यक मंत्री सम्मानीय डॉ. नज़मा हेपतुल्ला से मुलाकात की व अल्पसंख्यक लाभ प्राप्त करने की प्रक्रियाओं में अवरोधरूप मसलों पर चर्चा कर इने दूर करने का निवेदन किया. सम्मानीय मंत्री महोद्या ने चर्चा हेतु पर्याप्त समय देते हुए समस्याओं को समझा व कुछ मुद्दों पर सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर समस्याओं के निराकरण हेतु आश्वासन दिया.

अल्पसंख्यकों हेतु व्यावसायिक व शैक्षणिक ऋण वितरण अब राष्ट्रीयकृत बैंकों से होने की संभावना

अल्पसंख्यक मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशक श्री अनुराग बाजपेयी से श्री निरंजन जुवाँ जैन ने 9 अक्टूबर को मंत्रालय के कार्यालय में मुलाकात कर NMDFC व्यासायिक व शैक्षणिक ऋण योजनाओं में ऋण प्राप्ति हेतु अल्पसंख्यको की शिकायतों व राज्य अल्पसंख्यक वित्तीय विकास निगमों या उनकी एजेंसियों की अक्षम कार्यप्रणाली पर चिंता व्यक्त की. निर्देशक श्री बाजपेयी ने बतलाया कि इस संबंध मे अनेक शिकायतें प्राप्त हुई हैं व मंत्रालय राष्ट्रीयकृत बैंकों के माध्यम से NMDFC की ऋण योजनाओं के संचालन हेतु नवीन योजना पर कार्यरत है व शीघ्र ही इसकी घोषणा होने की संभावना है.

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana
Shri. Shantilal Muttha, Founder

Bharatiya Jain Sanghatana,
Sancheti Hospital &
Chandmal Munot (Nevaskar) Trust, A'Nagar

In memory of late Dr. Sharadkumar Diksheet (USA)

Free
Plastic Surgery Camp

Successful 25 year

Date: 7, 8,9,10 January 2016

Free Surgery will be done for the following patients:

• Cleft lip & Palate • Scars on face • Nose & ear deformity • Eyelid defect

Patients Registration & Checkup:
Thursday, 7th January, 2016
Morning 9:00am to 2:00pm
At: Sancheti Hospital, Contact: 88888 08846
(Rahul Choube)

Shashikant Munot Contact: 94204 77052

RNI No. - MAH BHIL 07247/2015

Book-Post

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana
Muttha Towers, Loop Road,
Near Don Bosco Church, Yerawada, Pune 411006
Tel.: 020 4128 0011, 4128 0012, 4128 0013
Website : www.bjsindia.org E mail : info@bjsindia.org
Facebook : www.facebook.com/BJSIndia

मुद्रक तथा प्रकाशक – **प्रफुल्ल पारख** (प्रधान सम्पादक), 1184/4 ,शिवाजी नगर, नियर फर्ग्युसन कॉलेज रोड, पुणे - 411005 द्वाराभारतीय जैन संघटना के पक्ष में प्रभात प्रिंटिंग वर्क्स, 427, गुलटेकडी, पुणे - 411037 से मुद्रित तथा मुथ्था टावर, लूप रोड, नियर डान वास्को चर्च, येरवडा, पुणे - 411006 से प्रकाशित. सम्पादक – **प्रफुल्ल पारख,** राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सीईओ, भारतीय जैन संघटना. फोन -(020) 41200600 web site-www.bjsindia.org